

20.9.22

महामां प्रो. वृत्ती

शुद्धि मूल वाद परिते लक्ष अपाठनीय हो
से विद्वाना खासिय निम्न मा सुका है, मिथ्या
इस अर्थान को आगे चमत्त क को अपाठनीय
परी नष्ट होना है

अतः यह अर्थान मूल वाद को तर्ज 42
अपाठनीय होत है खासिय निम्न मास है

महामां प्रो. वृत्ती
काल से नान्यर से कम हो

A. K. Singh at 22
सहायक कलेक्टर
SDO सिन्धुदरी